मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

(ग्रामीण कृषि मौसम सेवा)

केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर– 342003

दिनांकः 22 अगस्त 2014

जोधपुर

जिले के लिए भारत मौसम विज्ञान विभाग, क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केन्द्र, जयपुर से प्राप्त मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

मौसमी तत्व / दिनांक	21-08-14	22-08-14	23-08-14	24-08-14	25-08-14
वर्षा (मि.मी.)	0	0	3	2	0
अधिकतम तापमान (°सेल्सियस)	36	36	35	35	35
न्यूनतम तापमान (°सेल्सियस)	27	27	26	27	27
बादलों की स्थिति (ओक्टा)	2	3	2	5	4
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) सुबह	65	59	65	66	75
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) शाम	39	36	36	43	43
हवा की गति (कि.मी/घंटा)	8	8	10	11	20
हवा की दिशा	पश्चिम	पश्चिम	पश्चिम	पश्चिम–दक्षिण–पश्चिम	दक्षिण–पश्चिम

मौसम पूर्वानुमान के आधार पर कृषि परामर्श सेवा, केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर द्वारा इस जिले के किसानों को सलाह :

बाजरा में फड़का व सैन्य कीट का प्रकोप होने पर मिथाइल पैराथियान 2 प्रतिशत या क्यूनालफॉस 1.5 प्रतिशत चूर्ण का 25 किलो प्रति हैक्टर की दर से भुरकाव करें।

इस मौसम में ग्वार में शाकाणु झुलसा रोग का प्रकोप होने की संभावना है इसके लिए एक ग्राम स्ट्रेप्टोसाइक्लिन प्रति 10 लीटर पानी के घोल का छिड़काव करें।

तिल की फसल में फली छेदक कीट का प्रकोप दिखाई देने पर क्यूनालफॉस 25 ई.सी. एक लीटर का प्रति हैक्टर की दर से छिड़काव करें।

मूंग एवं मोठ की फसल में फली छेदक लट के नियंत्रण हेतु मैलाथियान 50 ई.सी. दवा की 1.5 मिली. मात्रा प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।

बाजरे की फसल मं अगर तुलासिता रोग के लक्षण दिखाई दें तो एक ग्राम मेटालेकसल प्रति लीटर पानी के हिसाब से छिड़काव करें।

फलदार पेड़ों में पानी देवें तथा दीमक से बचाव के लिये डरमेट दवाई का पानी में घोल बनाकर उचित मात्रा में सिंचाई के साथ देवें।

पशुओं को जुऐं व चिंचड़े से बचाव के लिए समय–समय पर पशुचिकित्सक की सलाह अनुसार दवाई का छिड़काव नियमित करें।